

## सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

### सत्संग प्रवीण - १

रविवार, ६ मार्च, २०११

समय : सुबह ९.०० से १२.००

कुल गुण : १००



**स्वामिनारायण**  
**BAPS**

**अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।**

**☞ परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुकसान मत किजिए ।**

अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी का जन्म दिन      दिनांक      महिना      वर्ष

       

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरीक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर .....

**☞ पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।**

परीक्षक के हस्ताक्षर

.....

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर ( गुण )	प्राप्तांक
	१ (६)	
	२ (५)	
	३ (४)	
	४ (४)	
	५ (८)	
	६ (८)	
	७ (७)	
	८ (५)	

**विभाग-१, कुल गुण**

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर ( गुण )	प्राप्तांक
	९ (९)	
	१० (८)	
	११ (८)	
	१२ (५)	
	१३ (८)	

**विभाग-२, कुल गुण**

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर ( गुण )	प्राप्तांक
	१४ (१५)	

**विभाग-३, कुल गुण**

**मोडरेशन विभाग माटे ४**

गुण शब्दोंमां .....  
रेडर - नाम

## परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ :-

१. आगे के मुख्य पृष्ठ पर परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ बारकोड अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुकसान मत किजिए ।
२. परीक्षार्थी को स्पष्ट और सुंदर अक्षर से आगे के पन्ने में मांगी हुई विवरण को लिखना अनिवार्य है ।
३. आप उत्तर पुस्तिका (जवाबवही) में कही भी, किसी भी जगह पर अपना नाम मत लिखें ।
४. मुख्य परीक्षा के दिन वर्गखंड में उपस्थित प्रत्येक परीक्षार्थी वर्ग निरीक्षक से अपनी नामयुक्त उत्तर पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर करा लें ।
५. बिना वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।
६. प्रश्न के गुण → गुण : १  ← परीक्षक को प्रश्न जाँचकर गुण लिखने की जगह
७. परीक्षार्थी केवल ब्लू या केवल काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखे । पेन्सिल से अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से लिखी गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।
८. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । अस्पष्ट उत्तर अमान्य होंगे ।
९. परीक्षा खंड के बाहर और अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।
१०. परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व मंजूरी बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'लेखाकार' या 'सबस्टीट्यूट राईटर' एवं 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तरवही रद्द गीनी जाएगी । एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावट रद्द मानी जाएगी ।
११. मुख्य परीक्षा के दिन उत्तरवही के इलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे ।

## **Important Instructions For Satsang Exam Students**

1. **Please do not damage in any way the bar code printed on the front page.**
2. Please write clearly and legibly.
3. Do not write your name on the answer book.
4. On the day of the Final Satsang Examinations, all examinees should obtain the signature of the class supervisor on the answer sheet bearing their own personal details only.
5. Answer books without the signature of the Class Supervisor will be considered **NOT VALID.**
6. Marks for Question → 1 Mark  ← Space for Examiner to write marks
7. **Write your answers with either a blue or black pen only. Answers written in pencil, or with a red, green or any other coloured pen will not be considered valid. Answers written in more than one coloured ink will not be considered valid.**
8. Follow the instructions while answering. Answers crossed out will not be considered valid.
9. Examinations taken at **unauthorized locations** or in which the exam rules have been violated will not be considered valid.
10. **Without the prior permission of the Pariksha Karyalay in Ahmedabad, answer papers written by substitute writers in place of the original candidate will not be accepted. Answer papers with more than one type of handwriting will not be accepted.**
11. **In Main Exam answers written on extra pages will not be considered valid.**

**विभाग - १ : श्री अक्षरपुरुषोत्तम उपासना**

प्र. १ निम्नलिखित किन्हीं दो विषय के संदर्भ में शास्त्र के तीन प्रमाण दीजिए ।

( संदर्भ शास्त्र का नाम और क्रमांक लिखना अनिवार्य है । ) ( कुल गुण : ६ )

- |                                       |  |
|---------------------------------------|--|
| १. श्रीजीमहाराज सर्वकर्ता-हर्ता हैं । | २. भगवान सर्वोपरि है यह निष्ठा आवश्यक है । |
| ३. उपासना का महत्त्व ।                | ४. दिव्यभाव समझने की आवश्यकता ।            |

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ३	
---------	--

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक  केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. २ प्रमाण, सिद्धांत अथवा पंक्ति पर से विषय का शीर्षक दीजिए । (कुल गुण : ५)

१. 'अब उलटी गंगा नहीं बहेगी, आज तक तो गंगा उलटी बहती रही, आज ही सीधी हुई है ।' गुण : १

२. 'एकमेवाद्वितीयं ब्रह्म ।' गुण : १

३. 'निजात्मानं ब्रह्मरूपं देहत्रय-विलक्षणम् ।'  
विभाव्य तेन कर्तव्या भक्तिः कृष्णस्य सर्वदा ॥ गुण : १

४. 'चार वेदों, पुराणों तथा इतिहासों में यही बात कही गई है कि भगवान तथा भगवान  
के जो साधु हैं वे कल्याणकर्ता हैं ।' गुण : १

५. 'सत्पुरुष के प्रकट होने पर उनके मुख द्वारा ही यह बात समझ में आती है ।' गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक  केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ३ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का  
निशान करें । (कुल गुण : ४)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान  
किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. साकार स्वरूप में रुचि गुण : २

(१)  अपनी उपासना का खंडन न होने दे ।

(२)  शुष्कज्ञानियों का मत जानने के लिए उनके पुस्तक का श्रवण किया ।

(३)  भगवान के कर्ता होने का कभी भी खंडन नहीं करना चाहिए ।

(४)  उन ग्रंथों का कभी भी पठन एवं श्रवण नहीं करना चाहिए ।



प्र. ५ किन्हीं दो विषयों के बारे में विवरण कीजिए । ( बारह पंक्ति में ) ( कुल गुण : ८ )

- १. प्रकट को जाने बिना कसर ।
- २. साकार स्वरूप में रुचि
- ३. अनन्य निष्ठा सहित सभी अवतारों का आदर ।
- ४. उत्पत्ति सर्ग ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	
---------	--

( ) .....

.....

.....

.....



---

.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....

गुण : ४	
---------	--

( ) .....

.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....





३. पुरुषोत्तम की .....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
..... भेद है । गुण : १

४. इस लोक में से .....  
.....  
.....  
.....  
.....  
..... प्रकट है । गुण : १

( उपासना में क्या नहीं समझना चाहिए ? )

५. आज्ञा .....  
.....  
..... मिल सकता है, ऐसा नहीं समझना चाहिए । गुण : १

६. शिक्षापत्री .....  
.....  
..... सकता है, ऐसा नहीं समझना चाहिए । गुण : १

७. जब भगवान .....  
.....  
..... नहीं होते हैं, ऐसा नहीं समझना चाहिए । गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक  केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ८ टिप्पणी लिखिए । गुणातीत संत के लक्षण । ( कुल गुण : ५ )

.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....





.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....

गुण : ४	
---------	--

३. दारेसलाम के हवाईअड्डे पर के अधिकारियों स्वामीश्री के चरणों में झुक गए । **अथवा**  
४. चोर ने मन ही मन दृढ़ निश्चय कर लिया कि जीवन में अब फिर कभी चोरी नहीं करूँगा ।

( ) .....

.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....

गुण : ४	
---------	--

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक	३३		केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें
--------------------------------	----	--	---

---

प्र.११ निम्नलिखित विषय पर प्रमाणसर विवरण लिखिए । ( बारह पंक्ति में ) ( कुल गुण : ८ )

१. भादरा में लालजी भक्त को महाराज के स्वरूप में अधिक दृढ़ता से निश्चय हो गया । अथवा
२. कुशलकुंवरबा की भक्ति ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	
---------	--

३. प्रमुखस्वामी महाराज की सेवाभावना । अथवा ४. स्वामी की मान - अपमान में स्थिरता ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-११		प्र-१२	
----------------------------------	--------------	--	--------	--

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक  केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.१२ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. शिवलाल सेठ वागड गाँव में किसका सत्संग करते थे ? गुण : १

२. कौन-से चार संतों ने वचनामृत ग्रंथ का संपादन किया ? गुण : १

३. अचिन्त्यानंद ब्रह्मचारी ने कौन-से ग्रंथ की रचना की ? गुण : १

४. कौन से दो गाँवों की २०० वर्ष पुरानी शत्रुता का स्वामीश्री ने अंत किया ? गुण : १

५. प्रमुखस्वामी महाराज के माता-पिता के नाम दीजिए । गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक  केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें







